यूक्रेन ने मास्को पर दागे 1600 ड्रोन, दहला रूस

चुनाव के अंतिम दिन अब तक का सबसे बड़ा अटैक

एजेंसियां

मॉस्को, 20 सितंबर. रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन मॉस्को में ड्रोन हमला हुआ है. यूक्रेन ने मॉस्को पर सोलह सौ से अधिक ड्रोन दागे. मॉस्को की एक ऑयल रिफाइनरी को ड्रोन हमले में नुकसान पहुंचा है. हमले के बाद यहां आग लग गई. दूर से आग की लपटें और धुएं का गुबार दिखाई दिया. धमाकों की आवाज भी सुनाई दी.



मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने रविवार को टेलीग्राम पर बताया कि ड्रोन ने मॉस्को की ऑयल रिफाइनरी को निशाना बनाया. इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई है. इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि बीती रात मॉस्को क्षेत्र में यूक्रेन की लंबी दूरी की कार्रवाई का रूस पर काफी असर हुआ. उन्होंने दावा किया कि रूस के एक अहम तेल उद्योग ठिकाने और एक लॉजिस्टिक्स सेंटर को निशाना बनाया गया. जेलेंस्की के मुताबिक, इन ठिकानों से रूस की युद्ध मशीन को अरबों डॉलर की मदद मिलती है. कार्रवाई मेंएफपी-1, आरजेड-100, एमआईसीएच-2000, पलियानित्सिया, सिचेन और पेलिकन जैसे सिस्टम का इस्तेमाल किया गया. जेलेंस्की ने यूक्रेन की सुरक्षा सेवा, मानव रहित सिस्टम बल, विशेष अभियान बल, रक्षा खुफिया और विदेश खुफिया सेवा के जवानों को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि रूस के वोरोनिश क्षेत्र में एक ठिकाने पर प्रतिबंध भी लगाए गए हैं. जेलेंस्की ने मॉस्को से युद्ध खत्म कर शांति का रास्ता चुनने को कहा. उन्होंने कहा कि तनाव कम करने के रास्ते ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में मौजूद हैं, लेकिन इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी है.

चुनाव में दखल का लगाया आरोप

दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनाव जारी है. रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन पर चुनाव में दखल देने की कोशिश का आरोप लगाया. उन्होंने रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के जापोरिज्जिया इलाके में एक चुनाव अधिकारी के घर पर हमले का जिक्र किया था. रूस के मुताबिक इस हमले में चुनाव अधिकारी एलेना अस्तानिना की मौत हुई.

युद्ध की थकान का असर चुनाव पर

रूस में चुनाव का नतीजा काफी हद तक तय माना जा रहा है. यूनाइटेड रशिया के सत्ता में अपना दबदबा बनाए रखने की उम्मीद है. विशेषज्ञों का मानना है युद्ध और आर्थिक दबाव की वजह से लोगों में थकान का असर कुछ विपक्षी दलों को मिल सकता है.बर्लिन स्थित नेस्ट थिंक टैंक ने कहा कि चुनाव के नतीजे भी सामने आ सकते हैं, जो क्रेमलिन के लिए असहज स्थिति पैदा करें.

काउंसलिंग सेंटर और एंटी-सुसाइड डिवाइस फेल

आईआईटी : 5 साल के दौरान 74 छात्रों ने गंवाई जान, 51% से अधिक मामले पुरानी आईआईटी के

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 20 सितंबर. देश के शीर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में छात्रों की अप्राकृतिक मौतों और आत्महत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. कागजी दिशा-निर्देश, काउंसलिंग सेंटरों और हॉस्टलों में एंटी-सुसाइड डिवाइस जैसे इंतजामों के बाद भी घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं.

हाल ही में आईआईटी बॉम्बे, दिल्ली, कानपुर, खड़गपुर और आईआईएससी बेंगलुरु में हुई मौतों ने एक बार फिर परिसर की सुरक्षा और छात्रों के गिरते मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. पिछले 5 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि मौतों का यह केंद्र मुख्य रूप से पुरानी और प्रथम पीढ़ी की आईआईटी में अधिक है. शीर्ष चार संस्थानों-आईआईटी खड़गपुर, कानपुर, दिल्ली और मद्रास-में कुल 38 मौतें हुईं, जो नेटवर्क की कुल मौतों का 51% से अधिक है.



संस्थानों में लगातार हो रही घटनाओं से उठे सवाल

आईआईएससी बेंगलुरु : अगस्त के शुरुआती तीन हफ्तों के भीतर 15 दिनों के अंतर पर दो छात्रों (19 वर्षीय पीटेक और 22 वर्षीय एमटेक) की मौत हुई. पुलिस जांच में व्यक्तिगत कारणों की आशंका जताई गई है.

आईआईटी कानपुर व बॉम्बे : आईआईटी कानपुर में पीएचडी शोधार्थी की मौत के बाद छात्रों ने काउंसलिंग व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए विरोध जताया था. वहीं आईआईटी बॉम्बे में बीते 7 महीनों में 3 छात्रों की जान जा चुकी है.

आईआईटी खड़गपुर : अप्रैल 2026 में महज 10 दिनों के भीतर दो छात्रों की मौत दर्ज की गई, जबकि बीते 15 महीनों में यहां कई मामले सामने आ चुके हैं.

आईआईटी कानपुर : हॉस्टलों से फिक्स्ड पाइप हटाए जा रहे हैं और सीलिंग फैन में सेफ्टी-लोडेड एंटी-सुसाइड डिवाइस लगाए जा रहे हैं जो ज्यादा वजन पड़ने पर अलार्म बजाते हैं.

क्या संस्थान ले रहे कोई सबक

आईआईटी में लगातार होती मौतों और छात्रों का आक्रोश यह दर्शाता है कि देश में कमेटियों और दिशा-निर्देशों की कमी नहीं है, बल्कि कमी इस बात की है कि संकट के समय छात्र तक मदद पहुंच पा रही है या नहीं. सवाल अब यह नहीं है कि परिसरों में काउंसलिंग सेंटर है या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि क्या संस्थान इन आपदाओं से सबक लेकर अपने माहौल में बुनियादी बदलाव ला रहे हैं या नहीं.

होर्मुज के बाद बाब-अल-मंदेब होगा बंद

एजेंसियां

तेहरान, 20 सितंबर. मिडिल ईस्ट के हालात एक बार फिर गिगड़ते नजर आ रहे हैं. इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के एक सैन्य अधिकारी व लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जोल्फागारी ने कहा कि ट्रंप अमेरिकियों की बलि चढ़ाने वाले हैं.

अमेरिकी को ईरान ने लाल सागर खून से रंगने की दी धमकी



जोल्फागारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया-'अगर ट्रंप यमन पर हमला करते हैं तो अमेरिकियों की जान खतरे में डालने वाले हैं. यमन पर हमला करते ही बाब अल-मंदेब का रास्ता अमेरिका के लिए बंद हो जाएगा. पश्चिम में गरीबी आ जाएगी.' ईरान की ये धमकी इतनी भी हल्की नहीं है. बाब अल-मंदेब लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ने वाली एक अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री जलडमरूमध्य है. दुनिया के बड़े हिस्से का तेल, गैस और व्यापारिक सामान इसी मार्ग से होकर गुजरता है. मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी दूतावासों ने सुरक्षा अलर्ट जारी किए हैं. इन घटनाओं की वजह से इलाके में तनाव और ज्यादा बढ़ने की आशंका को लेकर चिंता तेज हो गई है.

होमगार्ड भर्ती दौड़ में 4 की मौत

नवभारत न्यूज़

लखनऊ, 20 सितंबर. उत्तर प्रदेश में होमगार्ड पदों पर भर्ती के लिए शुरू हुई शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान चार दिनों में चार अभ्यर्थियों की मौत हो गई.

अभ्यर्थियों की फिटनेस पर उठे सवाल

इसमें अकेले मेरठ में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि लखनऊ और मुरादाबाद में एक-एक अभ्यर्थियों ने दम तोड़ा है. मौत का कारण अभ्यर्थियों की दौड़ने के दौरान तबीयत खराब होना है. वहीं, दूसरी तरफ डॉक्टर का कहना है कि कम से कम 1 महीने पहले से दौड़ की तैयारी करना चाहिए ताकि शारीरिक क्षमता बढ़ सके. सरकार होमगार्ड भर्ती के लिए लखनऊ सहित कई जिलों के केंद्रों पर शारीरिक दक्षता परीक्षा करवा रही है. इस दौरान मेरठ के कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में अंकुज मलिक की और लखनऊ में रिजर्व पुलिस लाइन में योगेंद्र कुमार की तबियत बिगड़ने के बाद मौत हो गई थी. बुधवार को मेरठ में तरुण कुमार की दौड़ के दौरान तबीयत खराब हुई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उसकी मौत हो गई. ऐसे ही मुरादाबाद में शिवम यादव 50-70 मीटर पहले अचानक गश खाकर गिर पड़े. उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

एक नजर में

तेजस-एफ-2 ने परखी हवाई युद्ध की ताकत



नई दिल्ली, 20 सितंबर. भारत और जापान की वायुसेनाओं के बीच चल रहा संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन-2026' अब अंतिम चरण में पहुंच गया है. अभ्यास के दौरान दोनों देशों के लड़ाकू विमान हवाई अभियानों को अंजाम देकर अपनी परिचालन और युद्धक क्षमताओं को परख रहे हैं. भारतीय वायुसेना की ओर से स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस, सुखोई-30 एमकेआई और राफेल ने हिस्सा लिया है.

बृजेश के एनकाउंटर के साथ टीएसपीसी का खात्मा



चतरा, 20 सितंबर. प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के सुप्रीमो बृजेश सिंह गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता उर्फ दुलारचंद गंझू उर्फ रंजन उर्फ फूलचंद गंझू उर्फ सरदार के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के साथ ही संगठन के अस्तित्व पर भी विराम लग गया है. लावालौंग थाना क्षेत्र के लुटू सोहावन गांव निवासी स्वर्गीय पच्चु गंझू के पुत्र बृजेश गंझू ने वर्ष 2004 में प्रतिबंधित भाकपा माओवादी के खिलाफ समानांतर संगठन खड़ा किया था.

केरल यूनिवर्सिटी में राजनीति पर लगेगी रोक



त्रिवेंद्रम, 20 सितंबर, केरल यूनिवर्सिटी के छात्रों के लिए बनाए जा रहे 'आचार संहिता नियमों' के ड्राफ्ट को लेकर आपत्तियां बढ़ रही हैं. इसमें यूनिवर्सिटी कैंपस और उससे जुड़े कॉलेजों में राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगाने का प्रस्ताव है. हालांकि, यूनिवर्सिटी अधिकारियों का कहना है कि ये नियम अभी अंतिम नहीं हुए हैं और न ही लागू किए गए हैं. इसमें छात्र संगठनों के प्रदर्शन, धरना, नए सदस्य बनाने, दीवारों पर पोस्टर या ग्रैफिटी लगाने, चंदा जुटाने, राजनीतिक नेताओं के साथ कार्यक्रम करने और ऑनलाइन कैंपेन चलाने जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने का प्रस्ताव है.

इंडिगो फ्लाइट की लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग



लखनऊ, 20 सितंबर. बैंकॉक से दिल्ली जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान में शनिवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक यात्री की तबीयत अचानक गंभीर रूप से बिगड़ गई. स्थिति को देखते हुए पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग कराई. इंडिगो की उड़ान संख्या 6इ -1054 बैंकॉक से रात करीब 8:15 बजे रवाना हुई थी और इसे रात 11:10 बजे दिल्ली पहुंचना था. रास्ते में एक यात्री की हालत बिगड़ते देख क्रू मेंबर्स ने तुरंत पायलट को सूचित किया. इसके बाद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी.

अकाली नेता पर रेप का केस

बहरीन की महिला ने लगाया बंधक बनाने का आरोप

नवभारत न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़, 20 सितंबर: शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य अमरजीत सिंह चावला पर रेप के आरोप लगे हैं. पुलिस ने आरोपी नेता के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है.

शिकायतकर्ता महिला संगरूर जिले की रहने वाली है और वर्तमान में बहरीन में रहती है. उसने आरोप लगाया है कि श्री आनंदपुर साहिब की एक सराय में उसे बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया. हालांकि, अमरजीत सिंह चावला ने आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें गलत और मनगढ़ंत बताया है.

एसजीपीसी कर्मियों ने भी की शिकायत

शिकायत में अकाल तख्त के अतिरिक्त हेड ग्रंथी मलकीत सिंह और तख्त केसगढ़ साहिब के ड्राइवर मोहन सिंह का भी उल्लेख किया गया है. महिला ने आरोप लगाया है कि दोनों ने उसे अश्लील संदेश भेजे थे. हालांकि, एफआईआर में इन दोनों को आरोपी नहीं बनाया गया है. एसजीपीसी के चीफ सेक्रेटरी कुलवंत सिंह मन्नन के मुताबिक, दोनों कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है. वहीं, एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं.

आज का इतिहास

1743	आमेर का वीर और बहुत ही कूटनीतिज्ञ राजा सवाई जयसिंह का निधन।
1784	अमेरिका का पहली बार दैनिक अखबार (पेनसिलवेनिया पैकेट एंड जनरल एडवरटाइजर) छपा.
1790	पालघाट ने जनरल मेडोव के नेतृत्व में ब्रिटिश टुकड़ी के समक्ष 60 बंदूकों के साथ आत्मसमर्पण किया.
1815	किंग विलियम प्रथम ने ब्रुसेल्स में शपथ ली.
1857	बहादुर शाह द्वितीय ने अंग्रेजों के समक्ष आत्मसमर्पण किया.

जातिगत प्रताड़ना से परेशान था छात्र

- पिता ने प्रोफेसर पर लगाया आरोप
- तीन महीने से परेशान था साहिल

नवभारत न्यूज़

मुंबई, 20 सितंबर. आईआईटी बॉम्बे के हॉस्टल में एनर्जी साइंस विभाग के 20 वर्षीय छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या के मामले में पवई पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है.

एफआईआर छात्र के पिता रविंद्र चक्रधर वाकोडे की शिकायत के आधार पर 19 सितंबर को दोपहर 1:39 बजे दर्ज की गई. मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धारा 3(1) आर और 3(1)एस के तहत मामला दर्ज किया गया है. एफआईआर में फैकल्टी टीचर सूर्यनारायण डुल्ला, उनके वरिष्ठ अधिकारियों और आईआईटी से जुड़े अन्य संबंधित अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है. उनका बेटा साहिल 12वीं तक यवतमाल में पढ़ा था.



इसके बाद वर्ष 2024-25 में उसे आईआईटी बॉम्बे, पवई के एनर्जी साइंस विभाग में एडमिशन मिला. पहले साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद वो दूसरे वर्ष में पढ़ रहा था और आईआईटी के हॉस्टल में रह रहा था. कुछ समय पहले साहिल ने उन्हें बताया था कि पिछले करीब तीन महीनों से फैकल्टी टीचर सूर्यनारायण डुल्ला उसे जातिसूचक गालियां दे रहे थे.

साहिल ने अपने पिता से कहा था कि उसकी जाति को लेकर उसे परेशान किया जा रहा है और उसे किसी झूठे मामले में फंसाने की धमकी भी दी जा रही है.

उन्होंने उस समय अपने बेटे को मानसिक रूप से समझाया और उसका हौसला बढ़ाया. परिवार के मुताबिक साहिल नियमित रूप से फोन पर अपनी खैरियत बताता था और उसकी पढ़ाई भी चल रही थी.

रिटायरमेंट के लिए 'एक करोड़' अब काफी नहीं

- 62% जेन जी 29 साल की उम्र से ही कर रहे इन्वेस्ट
- 70 प्रतिशत जल्दी काम से पाना चाहते हैं छुट्टी

नवभारत न्यूज नेटवर्क.

नई दिल्ली, 20 सितंबर। आज की युवा पीढ़ी रिटायरमेंट को लेकर पहले से प्लानिंग शुरू कर रही है. जेन जी 29 साल की उम्र से ही रिटायरमेंट के लिए निवेश शुरू कर दे रहे हैं, लेकिन जल्दी नौकरी छोड़ने की चाहत और उसके लिए जरूरी पैसे के बीच बड़ा गैप भी दिख रहा है.

एक्सिस मैक्स लाइफ की आईआरआईएस 6.0 रिपोर्ट के मुताबिक 70% शहरी भारतीय अगर उनकी आर्थिक जरूरतें पूरी हो जाएं तो तय उम्र से पहले रिटायर होना चाहते हैं. इनमें से आधे लोग 50 साल की उम्र से पहले फायर यानी फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस एंड रिटायर अर्ली हासिल करना चाहते हैं. वहीं, 62% जेन जी ने रिटायरमेंट के लिए इन्वेस्टमेंट शुरू कर दिया है. रिटायरमेंट के बाद आराम से जिंदगी चलाने के लिए 1 करोड़ रुपये या उससे कम रकम को पर्याप्त मानने वाले लोगों का हिस्सा 2025 में 77% था, जो 2026 में घटकर 70% रह गया.

सिर्फ पैसे का सवाल नहीं



फिजिकल एक्टिविटी करने वाले लोगों में 44% रोजाना एक्सरसाइज या दूसरी एक्टिविटी करते हैं. वहीं, 21% लोग वेयरेबल डिवाइस की मदद से अपनी हेल्थ ट्रैक करते हैं. फैमिली भी रिटायरमेंट प्लान का अहम हिस्सा है.

नंबर पता है पर कॉर्पस नहीं बना: रिटायरमेंट के लिए कितना पैसा चाहिए, इसका अंदाजा होना अलग बात है और उतना पैसा जमा कर पाना अलग. 61% लोगों को पता है कि रिटायरमेंट के बाद अपनी मौजूदा लाइफस्टाइल बनाए रखने के लिए उन्हें कितना कॉर्पस चाहिए, लेकिन सिर्फ 11% लोगों को भरोसा है कि उनका जमा पैसा पूरी जिंदगी चलेगा. वहीं, 39% लोगों को लगता है कि उनका फंड रिटायरमेंट के बाद पांच साल भी नहीं चल पाएगा.

एमएलसी चुनाव में कूदे पीके

5 सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी जनसुराज

नवभारत न्यूज नेटवर्क

पटना, 20 सितंबर. बिहार की राजनीति में जन सुराज के नेता और बांकीपुर के विधायक प्रशांत किशोर एक और बड़ा राजनीतिक कदम उठाने जा रहे हैं. रविवार को प्रशांत किशोर ने एक अहम ऐलान किया है.

जन सुराज ने बिहार में होने वाले 8 सीटों के एमएलसी चुनाव में से 5 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम तय कर दिए हैं. जन सुराज ने सारण शिक्षक सीट से आफ़ाक अहमद, कोशी स्नातक सीट से रजनीश रंजन, पटना शिक्षक सीट से दिव्य ज्योति, दरभंगा शिक्षक सीट से सुरेश प्रसाद राय और दरभंगा स्नातक सीट से रविंद्र कुमार यादव को उम्मीदवार बनाया है. खास बात यह है कि हाई-प्रोफाइल पटना स्नातक सीट पर पीके ने अभी भी अनुज सिंह के नाम पर सस्पेंस बरकरार रखा है. इसके कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं. बांकीपुर उपचुनाव में बीजेपी को शिकस्त देने के बाद पीके ने जेडीयू को निशाने पर लिया है. बांकीपुर उपचुनाव के दौरान नीरज कुमार ने पीके को लेकर कई बड़े खुलासे किए थे.



बदलाव | 120 मीटर ऊंचा टावर देखने चीन में उमड़ रहे लोग, वर्षों पुरानी लैंडफिल साइड की बदली तस्वीर

कचरे का ढेर बना टूरिस्ट स्पॉट, बदबू नहीं .. अब आती है खूशबू

एजेंसियां

बीजिंग, 20 सितंबर: चीन का एक कचरा प्लांट इन दिनों अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा में है. आम तौर पर यह धारणा है कि कचरा प्लांट में सिर्फ गंदी बदबू आती है, लेकिन इस जगह ने उसे तोड़ दिया है. यहां कचरा प्लांट के ठीक ऊपर 120 मीटर ऊंचा टावर बना है. जहां हर दिन हजारों की संख्या में टूरिस्ट पहुंच रहे हैं.

टूरिस्ट इस टॉवर की सबसे ऊंची मंजिल से हर दिन हजारों टन कचरे को प्रॉसेस होने की पूरी प्रक्रिया को देख सकते हैं. यहां पहुंचने वाले टूरिस्ट न सिर्फ कचरे को लेकर जागरूक होते हैं, बल्कि उनसे पैदा होने वाली ऊर्जा और रिसाइक्लिंग के प्रॉसेस को भी समझ पाते हैं. यह कचरा प्लांट चीन के ग्वांगझू के फुशान सर्कुलर इकोनॉमी इंडस्ट्रियल पार्क में बनाया गया है. इस पार्क में स्थित एक पुरानी चिमनी को 120 मीटर ऊंचे टावर में बदल दिया गया है. इस टावर पर चढ़कर टूरिस्ट पूरे प्लांट का नजारा देख सकते हैं. इसके रंग रूप परिवर्तन के बाद यह एक प्रसिद्ध टूरिस्ट स्पॉट बन गया है. यहां अब बदबू नहीं, बल्कि खुशबू आती है.



टावर पर कॉफी की चुस्की : शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, चीन ने इस कचरा प्लांट में स्थित टावर वाले इलाके को को बागीचे में बदल दिया है. यहां आने वाले टूरिस्ट टावर पर चढ़कर नजारे के साथ कॉफी का भी आनंद ले सकते हैं. अपनी सुंदरता के कारण यह जगह चीन के राष्ट्रीय स्तर के 3ए पर्यटन स्थल का हिस्सा बन गया है. चीन में घरेलू कचरे का अधिकांश हिस्सा अब दफनाने के बजाय जलाया जाता है. आधुनिक संयंत्र इस प्रक्रिया के दौरान पैदा हुई गर्मी का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है, जबकि कुछ संयंत्र आसपास के औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को भी इससे निकलने वाली गर्मी की आपूर्ति करते हैं.

चीन में लैंडफिल में कमी : रिपोर्ट के अनुसार, इस कचरा प्लांट से हर दिन 8000 टन घरेलू कचरे को प्रॉसेस किया जा रहा है. इसमें कहा गया है कि चीन अब लैंडफिल पर निर्भरता से दूर हटकर कचरे से ऊर्जा और रीसाइकिल करने के तरीकों की ओर आगे बढ़ रहा है. शिन्हुआ के अनुसार, बीजिंग, शंघाई, ग्वांगझू और शेन्जेन में से प्रत्येक शहर प्रतिदिन 20,000 टन से अधिक घरेलू कचरा उत्पन्न करता है. पहले के वर्षों में, कुछ शहरों के आसपास के लैंडफिल में बड़ी मात्रा में कचरा जमा हो जाता था. लेकिन, नई तकनीकों से कचरे का निस्तारण तेजी से किया जा रहा है.

सामान्य से अधिक तप रहा पंजाब-हरियाणा

- 52 सालों की रिसर्च रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी
- पंजाब-हरियाणा लू और उमस के हॉटस्पॉट बने

नवभारत न्यूज नेटवर्क

अमृतसर, 20 सितंबर। पंजाब और हरियाणा के मौसम में आ रहे अप्रत्याशित बदलावों को लेकर एक बेहद चौंकाने वाली वैज्ञानिक रिपोर्ट सामने आई है. भारत मौसम विज्ञान विभाग और राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए 52 वर्षों (1971 से 2022) के व्यापक अध्ययन के अनुसार, पंजाब और हरियाणा अत्यधिक गर्मी, भीषण लू और उमस भरे वातावरण के सबसे बड़े हॉटस्पॉट के रूप में उभरे हैं. पीयर-रिव्यू जर्नल 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी' में प्रकाशित इस शोध में सात अलग-अलग मौसमी संकेतकों को मिलाकर तैयार किए गए 'क्लाइमेट एक्सट्रीम्स इंडेक्स' के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है. यह अध्ययन 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है.इसे मुख्य लेखक थोटा मोहन हैं उनके साथ एम. राजीवन, स्मृतिश्री लेंका, के. निरंजन कुमार, पी. रोहिणी और ओ.पी. श्रीजीत ने इसे तैयार किया है.



कार्यालय मध्य प्रदेश राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ मर्यादित, भोपाल

प्रियदर्शिनी भवन न्यू-मार्केट टी.टी. नगर, भोपाल

क्रं./फेड/बैठक/467/2026, दिनांक-10/09/2026

''साधारण सभा की सूचना''

मध्य प्रदेश राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ मर्या. भोपाल की वार्षिक साधारण सभा की बैठक दिनांक 23 सितम्बर 2026 (बुधवार) को मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ ई-8/77 शाहपुरा त्रिलंगा, भोपाल में अपरान्ह 12:30 बजे आयोजित की गई है। जिसकी सूचना समस्त सम्माननीय सदस्यगणों को संघ के पत्र क्रमांक/फेड/बैठक/457/26 भोपाल, दिनांक 09.09.2026 से प्रेषित की गई है। निर्धारित समय पर गणपूर्ति के अभाव में साधारण सभा की कार्यवाही आधे घण्टे के लिए स्थिगित की जाकर उसी दिनांक को उसी स्थान पर आधे घण्टे पश्चात अपरान्ह 01:00 बजे प्रारंभ होगी। जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी। इस सूचना के माध्यम से भी बैठक में समस्त सदस्य सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

सम्पर्क सूत्र:- 0755-2778965, 9755244977

सही-
प्रबंध संचालक